प्राथमिक शिक्षक

वर्ष : 36 अंक 4 अक्तूबर 2012

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1. अभिनय के ज़रिए शिक्षा — अक्षय कुमार दीक्षित — 5
2. किताबें और बच्चे — सरन काला — 8
3. मरीज़ के साथ मिलकर उसे ठीक करने का जुनून — किरन देवेंद्र — 11
4. बच्चों के स्वाभाविक विकास में सहायक हैं खेल — रीतू चंद्रा — 16
5. झरना क्यों रोती है? — रेनु चौहान — 23
6. संवादों के दरकते सेतु — शारदा कुमारी — 28
7. पतंगोत्सव का आयोजन — कपिल गहलोत — 33
8. विद्यालयों में विशेष सप्ताह कैसे मनाएँ? — अपर्णा पाण्डेय — 35

अनुभव

9. आज जा रहा हूँ, कल न लौटने के लिए? — जीवन सिंह ठाकुर — 38
10. दीपू — बनवारी लाल शर्मा — 42
11. पढ़ाने के कुछ अनुभव — आशा अय्यर — 44

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं– (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार। यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है– विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

शोध

12. कक्षा आठ के विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा प्रवीणता के विकास हेतु बहुमाध्यमीय अनुदेशन अभिक्रम की प्रभावकारिता का अध्ययन	रमेश कुमार	53

बालमन कुछ कहता है

13. मेरी स्कूल पिकनिक	करन भारद्वाज	62
14. मुझे दोस्त पसंद है	यश आर्य	63

कविता

शिक्षा का अधिकार अधिनियम	अनार सिंह